SAMPLE CONTENT

Pathway to your Exam Success

Exam Experts

SSC BOARD SOLVED PAPERS

हिंदी लोकभारती

- Board Papers / Activity Sheets from March 2020 to July 2024 with detailed solutions
- Time management guide to optimize performance

Std. X

Ace your exam with SSC Exam Topper's Answer Sheet

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४
द्वारा निर्धारित कृतिपत्रिका प्रारूप पर आधारित

Exam Experts

2020 to 2024

SSC
BOARD SOLVED PAPERS
हिंदी लोकभारती

विशेषताएँ

- **बोर्ड कृतिपत्रिकाएँ व उत्तरपत्रिकाएँ**
  - मार्च २०२० से जुलाई २०२४ तक की बोर्ड कृतिपत्रिकाएँ
  - बोर्ड कृतिपत्रिकाओं की सरल, सटीक और समग्र उत्तरपत्रिकाएँ
- **समय नियोजन व अंक विभाजन के साथ कृतिपत्रिका प्रारूप**
  - बोर्ड परीक्षा के दौरान समय नियोजन हेतु लाभकारी
- **बोर्ड परीक्षा टॉपर की उत्तरपत्रिका**
  - बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने हेतु प्रेरणादायी

Scan the adjacent QR code to download Topper's Answer Sheets for Hindi Lokbharati

Scan the adjacent QR code to watch the video for Moderators' Tips of Board Examination

Sample Content

Printed at: **India Printing Works,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022

P.O. No. 14676

TEID: 4230

प्रस्तावना

प्यारे विद्यार्थियो,

अध्ययन के इस नवीन पड़ाव पर आप सभी का हार्दिक स्वागत है। शैक्षणिक के साथ ही जीवन की राह में भी सही दिशा में आगे बढ़ने के दृष्टिकोण से कक्षा दसवीं बहुत अधिक मायने रखती है। इस कक्षा में की गई मेहनत और उससे प्राप्त परिणाम विद्यार्थी को एक नई दिशा प्रदान करता है, जिसपर आगे बढ़ते हुए उसे अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने का मौका मिलता है, लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि सफलता उसी के कदम चूमती है, जो सतत अभ्यास करता है। खासकर विद्यार्थी जीवन में अभ्यास बहुत अधिक मायने रखता है।

करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।

रसरी आवत जात ते सिल पै परत निसान।।

ये पंक्तियाँ अभ्यास का महत्त्व स्पष्ट करते हुए यह संदेश देती हैं कि यदि सही दिशा में लगातार प्रयास किया जाए, तो जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है। आवश्यकता है तो बस अभ्यास के साथ सही मार्गदर्शन की। हालाँकि देखा गया है कि विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा को लेकर अधिक चिंतित और भयभीत रहते हैं। विद्यार्थियों के मन में उत्पन्न इस भय को दूर करना मुश्किल लेकिन बहुत ही अधिक महत्त्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसके कारण ही उनका आत्मविश्वास डिगने लगता है। विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि परीक्षा की तैयारी हेतु चिंता नहीं अपितु आत्मविश्वास के साथ अभ्यास की आवश्यकता होती है।

यह तो सर्वविदित है कि विगत वर्षों की बोर्ड कृतिपत्रिकाओं का सिंहावलोकन किए बिना बोर्ड परीक्षा की तैयारी पूरी नहीं मानी जा सकती है। अत: विद्यार्थियों की मानसिक चिंता को दूर कर उन्हें परीक्षा हेतु तैयार करने के लिए टार्गेट पब्लिकेशंस द्वारा **SSC Board Solved Papers** : **हिंदी लोकभारती** का निर्माण किया गया है। बोर्ड कृतिपत्रिकाओं का अधिकाधिक अभ्यास परीक्षा की तैयारी का सरल और सटीक तरीका माना जाता है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए यहाँ विगत वर्षों की बोर्ड कृतिपत्रिकाओं (मार्च २०२० से जुलाई २०२४ तक) को उत्तर सहित दिया गया है। उत्तरपत्रिकाओं की सहायता से विद्यार्थी अपनी तैयारी का मूल्यांकन आसानी से कर सकेंगे।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु कृतिपत्रिका के प्रारूप को समझना बहुत ही आवश्यक है। इसके अलावा बोर्ड परीक्षा में निर्धारित समय के भीतर ही सभी कृतियों का उत्तर लिखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। अत: यहाँ विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु कृतिपत्रिका प्रारूप के साथ ही समय नियोजन भी दिया गया है। इनकी सहायता से विद्यार्थी बोर्ड कृतिपत्रिका के प्रारूप को समझते हुए निर्धारित समय में अपनी परीक्षा अच्छी तरह पूरी कर सकेंगे।

बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना हर विद्यार्थी की ख्वाहिश होती है और यह कोई असंभव कार्य भी नहीं है। इसके अलावा बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी की उत्तरपत्रिका देखने की भी जिज्ञासा लगभग हर विद्यार्थी की होती है, जो स्वाभाविक भी है। टार्गेट ने विद्यार्थियों की इसी जिज्ञासा को ध्यान में रखते हुए एक अनोखी पहल की है। इसके फलस्वरूप यहाँ मार्च २०२४ की बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी की उत्तरपत्रिका दी गई है। इससे न केवल विद्यार्थियों का मार्गदर्शन होगा, अपितु यह एक प्रेरणास्रोत साबित होगी जो विद्यार्थियों को और अधिक अभ्यास करने के लिए प्रेरित कर अच्छे अंक प्राप्त करने की दिशा में प्रेरित करेगी।

हमें पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के साथ ही अभिभावकों व शिक्षकों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी। पुस्तक की उपयोगिता बढ़ाने हेतु सुधीगणों के सुझाव सदैव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल पता है: mail@targetpublications.org

प्रकाशक

संस्करण: पहला

Disclaimer

This reference book is transformative work based on textual contents published by Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

Sample Content

विषय-सूची

हिंदी लोकभारती			
अ.क्र.	**विषय**	**पृष्ठ क्र.**	
1	कृतिपत्रिका प्रारूप व समय नियोजन	1	
		कृतिपत्रिका	**उत्तरपत्रिका**
2	बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च 2020	3	10
3	बोर्ड कृतिपत्रिका : नवंबर 2020	19	26
4	बोर्ड कृतिपत्रिका : 2021	[सूचना : कोविड-19 के कारण परीक्षा नहीं हुई।]	
5	बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च 2022	35	42
6	बोर्ड कृतिपत्रिका : जुलाई 2022	50	57
7	बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च 2023	66	73
8	बोर्ड कृतिपत्रिका : जुलाई 2023	82	89
9	बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च 2024	97	105
10	बोर्ड कृतिपत्रिका : जुलाई 2024	114	122

Sample Content

Sample Content

कृतिपत्रिका प्रारूप व समय नियोजन

विभाग १	गद्य

			कुल अंक	समय नियोजन
प्र.१.	**अ.**	**पठित गद्यांश**		
	१.	आकलन कृति	०२ अंक	
	२.	आकलन कृति	०२ अंक	१५ मिनट
	३.	शब्दसंपदा	०२ अंक	
	४.	अभिव्यक्ति	०२ अंक	
			०८ अंक	
प्र.१.	**आ.**	**पठित गद्यांश**		
	१.	आकलन कृति	०२ अंक	
	२.	आकलन कृति	०२ अंक	१५ मिनट
	३.	शब्दसंपदा	०२ अंक	
	४.	अभिव्यक्ति	०२ अंक	
			०८ अंक	
प्र.१.	**इ.**	**अपठित गद्यांश**		
	१.	आकलन कृति	०२ अंक	१० मिनट
	२.	अभिव्यक्ति	०२ अंक	
			०४ अंक	

विभाग २	पद्य

सूचना – एक मध्ययुगीन और एक आधुनिक रचना का चयन आवश्यक है।

			कुल अंक	समय नियोजन
प्र.२.	**अ.**	**पठित पद्यांश**		
	१.	आकलन कृति	०२ अंक	
	२.	शब्दसंपदा	०२ अंक	१० मिनट
	३.	सरल अर्थ	०२ अंक	
			०६ अंक	
प्र.२.	**आ.**	**पठित पद्यांश**		
	१.	आकलन कृति	०२ अंक	
	२.	शब्दसंपदा	०२ अंक	१० मिनट
	३.	सरल अर्थ	०२ अंक	
			०६ अंक	

विभाग ३	पूरक पठन

			कुल अंक	समय नियोजन
प्र.३.	**अ.**	**पठित गद्यांश**		
	१.	आकलन कृति	०२ अंक	१० मिनट
	२.	अभिव्यक्ति	०२ अंक	
			०४ अंक	

Sample Content

प्र.३.	**आ.**	**पठित पद्यांश**		१० मिनट
	१.	आकलन कृति	०२ अंक	
	२.	अभिव्यक्ति	०२ अंक	
			०४ अंक	

विभाग ४	**भाषा अध्ययन (व्याकरण)**

			कुल अंक	**समय नियोजन**
प्र.४.	**सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:**			
	१.	शब्दभेद – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण पहचानना	०१ अंक	
	२.	दो अव्यय शब्दों में से किसी एक शब्द का वाक्य में प्रयोग करना	०१ अंक	
	३.	संधि (दो में से कोई एक पहचानना, विच्छेद करना, संधि शब्द बनाना)	०१ अंक	
	४.	दो में से कोई एक सहायक क्रिया पहचानना तथा उसका मूल रूप लिखना	०१ अंक	
	५.	दो में से किसी एक प्रेरणार्थक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय रूप लिखना	०१ अंक	
	६.	मुहावरे का चयन अथवा मुहावरे का अर्थ और वाक्य में प्रयोग करना	०१ अंक	
	७.	कारक– पहचानना और भेद लिखना	०१ अंक	
	८.	विरामचिह्न– वाक्य में प्रयोग	०१ अंक	
	९.	तीन में से दो वाक्यों का काल परिवर्तन	०२ अंक	
	१०.	वाक्य के भेद – रचना और अर्थ के आधार पर	०२ अंक	
	११.	वाक्य शुद्ध करना	०२ अंक	
			१४ अंक	३० मिनट

विभाग ५	**रचना विभाग (उपयोजित लेखन)**

			कुल अंक	**समय नियोजन**
प्र. ५.	**सूचना के अनुसार लिखिए**			
	अ.	१. पत्र-लेखन (औपचारिक व अनौपचारिक में से एक)	०५ अंक	१५ मिनट
		२. गद्य-आकलन	०४ अंक	
	आ.	१. वृत्तांत-लेखन **अथवा** कहानी-लेखन (मुद्दों के आधार पर)	०५ अंक	२५ मिनट
		२. विज्ञापन-लेखन	०५ अंक	
	इ.	निबंध-लेखन	०७ अंक	२० मिनट
			२६ अंक	
		To Review and Re-checking	**-**	**१० मिनट**
		कुल अंक	**८० अंक**	**१८० मिनट**

Sample Content

N 000

Seat No. | | | | | | | |

2020 III 06 1100 – N 000 – HINDI (15) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H)

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2020

Time: 3 Hours **(Pages 7)** **Max. Marks: 80**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

नागर जी : लिखने से पहले तो मैंने पढ़ना शुरू किया था। आरंभ में कवियों को ही अधिक पढ़ता था। सनेही जी, अयोध्यासिंह उपाध्याय की कविताएँ ज्यादा पढ़ीं। छापे का अक्षर मेरा पहला मित्र था। घर में दो पत्रिकाएँ मँगाते थे मेरे पितामह। एक 'सरस्वती' और दूसरी 'गृहलक्ष्मी'। उस समय हमारे सामने प्रेमचंद का साहित्य था, कौशिक का था। आरंभ में बंकिम के उपन्यास पढ़े। शरतचंद्र को बाद में। प्रभातकुमार मुखोपाध्याय का कहानी संग्रह 'देशी और विलायती' 1930 के आसपास पढ़ा। उपन्यासों में बंकिम के उपन्यास 1930 में ही पढ़ डाले। 'आनंदमठ', 'देवी चौधरानी' और एक राजस्थानी थीम पर लिखा हुआ उपन्यास, उसी समय पढ़ा था।

तिवारी जी : क्या यही लेखक आपके लेखन के आदर्श रहे?

नागर जी : नहीं, कोई आदर्श नहीं। केवल आनंद था पढ़ने का। सबसे पहले कविता फूटी साइमन कमीशन के बहिष्कार के समय 1928-1929 में। लाठीचार्ज हुआ था। इस अनुभव से ही पहली कविता फूटी- 'कब लौं कहौं लाठी खाय!' इसे ही लेखन का आरंभ मानिए।

(1) नाम लिखिए: **(2)**

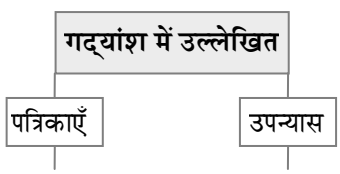

1. ..... 1. .....
2. ..... 2. .....

Sample Content

(2) लिखिए: **(2)**

i. लेखक का पहला मित्र –

.....

ii. लेखक की पहली कविता –

.....

(3) गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **(2)**

i. प्रत्ययययुक्त शब्द:

1. ..... 2. .....

ii. ऐसे दो शब्द जिनका वचन परिवर्तन नहीं होता:

1. .....

2. .....

(4) 'पढ़ोगे तो बढ़ोगे' विषय पर 25 ते 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

कुछ देर बाद हमारी टैक्सी मडगाँव से पाँच किमी दूर दक्षिण में स्थित कस्बा बेनालियम के एक रिसॉर्ट में आकर रुक गई। यह रिसॉर्ट हमने पहले से बुक कर लिया था। इसलिए औपचारिक खानापूर्ति कर हम आराम करने के इरादे से अपने-अपने स्यूट में चले गए। इससे पहले कि हम कमरों से बाहर निकलें, मैं आपको गोवा की कुछ खास बातें बता दूँ। दरअसल, गोवा राज्य दो भागों में बँटा हुआ है। दक्षिण गोवा जिला तथा उत्तर गोवा जिला। इसकी राजधानी पणजी मांडवी नदी के किनारे स्थित है। यह नदी काफी बड़ी है तथा वर्ष भर पानी से भरी रहती है। फिर भी समुद्री इलाका होने के कारण यहाँ मौसम में प्राय: उमस तथा हवा में नमी बनी रहती है। शरीर चिपचिपाता रहता है लेकिन मुंबई जितना नहीं, क्योंकि यहाँ का क्षेत्र हरीतिमा से भरपूर है फिर भी धूप तो तीखी ही होती है।

यों तो गोवा अपने खूबसूरत सफेद रेतीले तटों, महँगे होटलों तथा खास जीवनशैली के लिए जाना जाता है लेकिन इन सबके बावजूद यह अपने में एक सांस्कृतिक विरासत भी समेटे हुए है।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

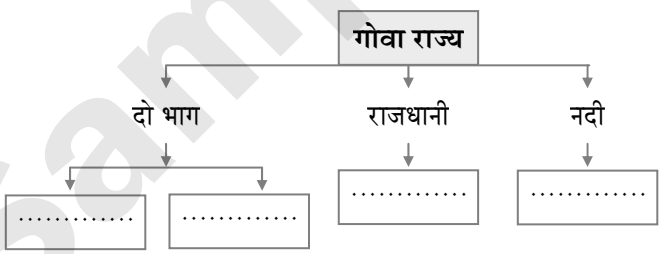

(2) उत्तर लिखिए: **(2)**

गद्यांश में उल्लेखित नदी की विशेषताएँ

1. .....

2. .....

(3) i. निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

1. अनौपचारिक – .....

2. छाँव – .....

Sample Content

ii. गद्यांश से अंग्रेजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

1. .....

2. .....

(4) 'पर्यटन ज्ञान वृद्धि का साधन' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

प्र.1. (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

जापानी और चीनी वैज्ञानिकों ने भूकंप आने के कुछ दिन पूर्व जीव-जन्तुओं की गतिविधियों के आधार पर चेतावनी देने का प्रयत्न किया है। वास्तव में 4 फरवरी, 1975 को चीन के हाइचेंग क्षेत्र में आए भूकंप का पूर्वानुमान चीनी वैज्ञानिकों ने भूकंप आने के कुछ दिन पूर्व से मेंढकों व साँपों के अपने बिलों से एकाएक बाहर निकल आने, मुर्गियों की बेचैनी और अपने दरबों से दूर भागने तथा कुत्तों के भौंकने और लगातार इधर-उधर भागने के आधार पर, काफी सफलतापूर्वक किया; परंतु वही वैज्ञानिक सन् 1976 के विध्वंसक भूकंप की पूर्वसूचना नहीं दे सके। महाराष्ट्र के भूकंप के पूर्व भी वहाँ के निवासियों ने ऐसा दावा किया है कि पालतू पशु विचित्र व्यवहार कर रहे थे। जीव-जन्तुओं के विचित्र व्यवहार के अतिरिक्त, भूकंप पूर्व मिलने वाले कुछ मुख्य संकेत, जिनपर वैज्ञानिक बिरादरी एकमत हैं।

(1) उत्तर लिखिए: **(2)**

चीनी वैज्ञानिकों द्वारा भूकंप आने के पूर्वानुमान लगाने के आधार –

i. ……

ii. ……

(2) 'भूकंप से होने वाली हानि से बचने के उपाय' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

मैं लरजकर बोला,
मुद्राएँ आप मेरे मुख पर देख लीजिए,
वे खड़े होकर कुछ सोचने लगे
फिर शयनकक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रूई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला
रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्त्व खाली .....
कनस्तरों को, मटकों को ढूँढ़ा सब में मिला शून्य-ब्रह्मांड

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

Sample Content

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

i. ऐसे शब्द जिनका अर्थ निम्न शब्द हो:

1. टीन का पीपा – ……..
2. कमरा – ……..

ii. वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

उन्होंने टूटी अलमारी को खोला।

....

(3) अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **(2)**

प्र.2. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश दी गई पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

एक जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो।

एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो।

डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो।

कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखे इस भीड़ में,
मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो।

(1) पद्यांश के आधार पर संबंध जोड़कर उचित वाक्य तैयार कीजिए: **(2)**

i.	जुगनू	धुंध
ii.	रोशनी	तितली
		मैं

1. .....
2. .....

(2) i. निम्नलिखित के लिए पद्यांश से शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

1. लोगों का समूह – .....
2. सीप में बनने वाला रत्न – .....

ii. पद्यांश में आए 'पर' शब्द के अलग-अलग अर्थ लिखिए: **(1)**

1. ..... 2. .....

(3) अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए: **(2)**

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

प्र.3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

जिस गली में आजकल रहता हूँ– वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली में पेड़ भी नहीं हैं, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान हैं। इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं। लंद-फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़तीं हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं।

Sample Content

(1) लिखिए: **(2)**

गद्यांश में उल्लेखित चिड़ियों की विशेषताएँ –

i ..... ii. .....

(2) 'पक्षियों की घटती संख्या' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

प्र.3. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!
इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं...

(1) सूचनानुसार लिखिए: **(2)**

1. ऐसी पंक्ति जिसमें पौराणिक संदर्भ है –

   .....

2. ऐसी पंक्ति जिसमें ऐतिहासिक संदर्भ हो –

   .....

(2) 'इतिहास हमें प्रेरणा देता है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्र.4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए: **(1)**

श्रमजीवियों की मजदूरी एवं आमदनी <u>कम</u> है।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

i. वाह! ii. के साथ

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **(1)**

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि प्रकार
.....	अंत: + चेतना	.....
	अथवा	
सज्जन	..... + ...	.....

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए: **(1)**

i. टैक्सी एक पतली-सी सड़क पर दौड़ पड़ी।

ii. यहाँ सुबह-सुबह बड़ी मात्रा में मछलियाँ पकड़ी गईं।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
.....	.....
.....	.....

Sample Content

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए: (1)

क्र.	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
i.	फैलना	.....	.....
ii.	लिखना	.....	.....

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: (1)

i. शेखी बघारना – ii. निछावर करना –

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए:

(बोलबाला होना, दुम हिलाना)

सिरचन को बुलाओ, चापलूसी करता हुआ हाजिर हो जाएगा।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए: (1)

i. करामत अली ने हौका भरते हुए कहा।

ii. पर्यटन में बहुत ही आनंद मिला।

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए: (1)

मैंने कराहते हुए पूछा "मैं कहाँ हूँ"

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: (2)

i. सातों तारे मंद पड़ गए। (पूर्ण वर्तमानकाल)

ii. रूपा दौड़ते-दौड़ते व्याकुल होती है। (अपूर्ण भूतकाल)

iii. हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

(10) i. निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए: (1)

काकी बुद्‌धिहीन होते हुए भी इतना जानती थी कि मैं वह काम कर रही हूँ।

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए: (1)

1. तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)
2. मानू इतना ही बोल सकी। (प्रश्नार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्‌ध करके फिर से लिखिए: (2)

i. इस बार मेरी सबसे छोटि बहन पहली बार ससूराल जा रही थी।

ii. आपने भ्रमन तो काफी की हैं।

iii. व्यवस्थापकों और पुँजी लगाने वालों को हजारो-लाखो का मिलना गलत नहीं माना जाता।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना:– आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

प्र.5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए:

(अ) (1) पत्रलेखन: (5)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

राधेय/राधा चौगुले, रामेश्वरनगर, वर्धा से दोहा प्रतियोगिता में प्रथम क्रमांक प्राप्त करने के कारण अभिनंदन करते हुए अपने मित्र/सहेली किशोर/किशोरी पाटील, स्टेशन रोड, जालना को पत्र लिखता/लिखती है।

Sample Content

अथवा

अशोक/आशा मगदुम, लक्ष्मीनगर, नागपुर से व्यवस्थापक, कौस्तुभ पुस्तक भंडार, सदर बाजार, नागपुर को प्राप्त पुस्तकों संबंधी शिकायत करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों: **(4)**

स्वाधीन भारत में अभी तक अंग्रेजी हवाओं में कुछ लोग यह कहते मिलेंगे – जब तक विज्ञान और तकनीकी ग्रंथ हिंदी में न हो तब तक कैसे हिंदी में शिक्षा दी जाए। जब कि स्वामी श्रद्धानंद स्वाधीनता से भी चालीस साल पहले गुरुकुल काँगड़ी में हिंदी के माध्यम से विज्ञान जैसे गहन विषयों की शिक्षा दे रहे थे। ग्रंथ भी हिंदी में थे और पढ़ाने वाले भी हिंदी के थे। जहाँ चाह होती है वहीं राह निकलती है। एक लंबे अरसे तक अंग्रेज गुरुकुल काँगड़ी को भी राष्ट्रीय आंदोलन का अभिन्न अंग मानते रहे। इसमें कोई संदेह भी नहीं कि गुरुकुल के स्नातकों में स्वाधीनता की अजीब तड़प थी। स्वामी श्रद्धानंद जैसा राष्ट्रीय नेता जिस गुरुकुल का संस्थापक हो और हिंदी शिक्षा का माध्यम हो; वहीं राष्ट्रीयता नहीं पनपेगी तो कहाँ पनपेगी। स्वामी जी से मिलने देश के प्रमुख राष्ट्रीय नेता भी गुरुकुल आते रहते थे।

प्र.5. (आ)

(1) वृत्तांत-लेखन: **(5)**

विवेकानंद विद्यालय, सोलापुर में संपन्न 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान का रोचक वृत्तांत लेखन **60** से **80** शब्दों में लिखिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी-लेखन: **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक गाँव – पीने के पानी की समस्या – दूर-दूर से पानी लाना – सभी लोग परेशान – सभा का आयोजन – मिलकर श्रमदान का निर्णय – दूसरे दिन से – केवल एक आदमी – काम में जुटना – धीरे-धीरे एक-एक का आना – सारा गाँव श्रमदान में – गाँव के तालाब की सफाई – कीचड़, प्लास्टिक निकालना – बरसात में तालाब का स्वच्छ पानी से भरना।

(2) विज्ञापन-लेखन: **(5)**

निम्नलिखित जानकरी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

स्कूल बस के लिए ड्राइवर चाहिए

शैक्षिक अर्हता	अनुभव	व्यावसायिक अर्हता	वेतन	संपर्क: महात्मा हिंदी विद्यालय, पुणे। मो. नं. 2332422409

प्र.5. (इ) निबंध-लेखन: **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मेरा भारत देश (2) पर्यावरण संतुलन (3) पुस्तक की आत्मकथा

Sample Content

प्र.1. (अ)

विभाग 1 – गद्य

(1) 1. सरस्वती 2. गृहलक्ष्मी
1. आनंदमठ 2. देवी चौधरानी

(2) i. 1. छापे का अक्षर
ii. 1. कब लौं कहौं लाठी खाय!

(3) i. 1. देशी 2. विलायती
ii. 1. अक्षर 2. मित्र

(4) ज्ञानार्जन का एकमेव साधन पढ़ना ही है। जब व्यक्ति तरह-तरह की ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ता है, तो उसके ज्ञान में भी वृद्धि होती है। ज्ञानी व्यक्ति अपनी समस्याओं का आसानी से हल खोज सकता है। ऐसे व्यक्ति जीवन में किसी भी परिस्थिती में परेशान नहीं होते हैं। वे अपने ज्ञान के सहारे हर अच्छी-बुरी परिस्थिति का सामना कर सकते हैं। ऐसे लोग अपने ज्ञान के सहारे जीवन में सफलता प्राप्त कर सुखी जीवन जीते हैं। जो व्यक्ति ज्ञानी होता है, वह न सिर्फ स्वयं बल्कि पूरे समाज के लिए लाभकारी होता है। इसीलिए ऐसा कहा जाता है कि पढ़ोगे तो बढ़ोगे।

प्र.1. (आ)

(1)

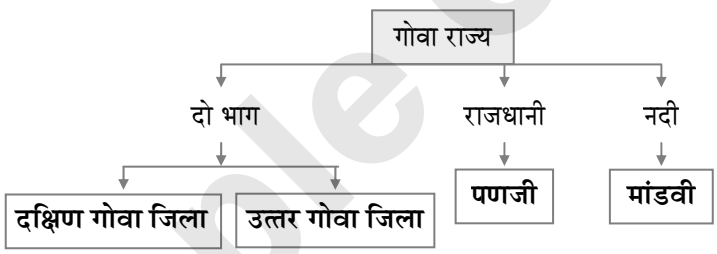

(2) 1. काफी बड़ी है।
2. वर्ष भर पानी से भरी रहती है।

(3) i. 1. औपचारिक 2. धूप
ii. 1. रिसॉर्ट 2. स्यूट

(4) पर्यटन का तात्पर्य है नए-नए स्थानों पर जाना। पर्यटन के माध्यम से लोग नई-नई जगहों पर रहने वाले लागों के बारे में जानते हैं। वहाँ रहने वाले लोगों की सभ्यता-संस्कृति के बारे में जानकारी मिलती है। इससे नई-नई बोली-भाषा की जानकारी मिलती है। नए-नए स्थानों की भौगोलिक परिस्थितियों व वहाँ के खान-पान और रहन-सहन की जानकारी भी मिलती है। ये सभी जानकारियाँ इंसान के ज्ञान में वृद्धि करती हैं। इसी कारण ऐसा कहा जाता है कि पर्यटन ज्ञान वृद्धि का साधन है।

प्र.1. (इ)

(1) i. मेंढकों व साँपों के अपने बिलों से एकाएक बाहर निकल आने पर।
ii. मुर्गियों की बेचैनी और अपने दरबों से दूर भागने तथा कुत्तों के भौंकने और लगातार इधर-उधर भागने के आधार पर।

Sample Content

(2) भूकंप एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है, जिसे रोक पाना नामुनकिन है। इसके प्रकोप से प्रभावित क्षेत्र में जान-माल की काफी हानि होती है। इस नुकसान को कम करने व रोकने का एकमात्र तरीका भूकंप की पूर्व चेतावनी देना है। भूकंप से बचाव की पूर्व तैयारी भी की जा सकती है। भूकंप के समय प्रभावितों की अधिक-से-अधिक मदद करनी चाहिए। इस प्रकार भूकंप के प्रभाव को कम किया जा सकता है। इसके अलावा आज मनुष्य पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करने लगा है। पहाड़ों को काटना, जंगलों का सफाया करना, समुद्रों व नदियों को पाटना आदि कारणों से भी भूकंप की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। अत: पर्यावरण को सुरक्षित रखकर भी भूकंप से होने वाली हानि से बचा जा सकता है।

प्र.2. (अ)

विभाग 2 – पद्य

(1)

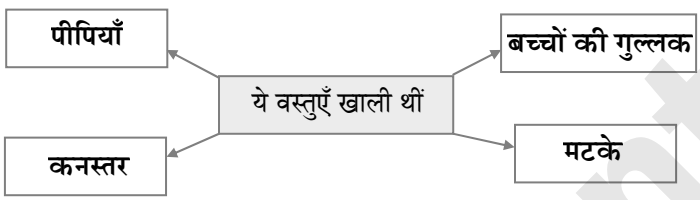

(2) i. 1. कनस्तर 2. शयनकक्ष

ii. उन्होंने टूटी अलमारियों को खोला।

(3) घर में तलाशी लेने आए छापामार रसोईघर की खाली पीपियों और बच्चों की गुल्लक की तलाशी लेने लगे, परंतु ये सारी वस्तुएँ भी उन्हें खाली ही मिलीं। कनस्तरों व मटकों में भी ढूँढ़ने पर कुछ भी नहीं मिला।

प्र.2. (आ)

(1) i. **जुगनू** ने कहा कि **मैं** तुम्हारे साथ हूँ।

ii. वक्त की इस **धुंध** में तुम **रोशनी** बनकर दिखो।

(2) i. 1. भीड़ 2. मोती

ii. 1. परंतु 2. पंख

(3) गजलकार कहता है कि तुम्हें कली से फूल बनने के इस थोड़े-से संघर्ष से नहीं घबराना चाहिए। तुम्हें तो तितली के टूटे पर की भाँति दिखना है, जो तितली के अथाह संघर्ष को दर्शाता है। गजलकार कहता है कि उसे दुनिया की इस भीड़ में एक ऐसे सच्चे चेहरे की तलाश है, जिसे देखने के बाद हर व्यक्ति में उसी की झलक दिखाई दे।

प्र.3. (अ)

विभाग 3 – पूरक पठन

(1) i. वे पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़ती हुई नहीं दिखती है, बल्कि बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी हुई दिखती हैं।

ii. वे बातचीत करती या घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखती हैं।

Sample Content

(2) एक समय था जब पक्षियों की चहचहाट से सुबह होती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे पक्षियों की संख्या कम होने लगी है। बढ़ती जनसंख्या के कारण जंगलों-व पहाड़ों का सफाया हो रहा है। इससे पक्षियों के बसेरे उजड़ने लगे हैं। उन्हें रहने के लिए सुरक्षित स्थान नहीं मिल रहा है। कीठनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग व बढ़ते प्रदूषण के चलते पक्षियों की जान खतरे में पड़ गई है। यह सिद्ध हो चुका है कि मोबाइल से निकलने वाली तरंगें पक्षियों के लिए घातक होती हैं। वर्तमान समय में गिद्ध, गौरैया जैसी कई प्रजातियाँ विलुप्त होती जा रही हैं। विज्ञान की प्रगति व बढ़ती जनसंख्या की जरूरतों को पूरा करने की इस अंधी कोशिश में पक्षियों का जीवन खतरे में पड़ गया है।

प्र.3. (आ)

(1) i. यह मिट्टी, हुए प्रह्लाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।

ii. जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!

(2) इतिहास हमारी भूतकाल की घटनाओं का संग्रह होता है। इतिहास में हमारे पूर्वजों द्वारा की गई अच्छी-बुरी सभी प्रकार की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी होती है। इन जानकारियों के आधार पर हम वर्तमान व भविष्य की नीतियाँ तैयार करते हैं। इतिहास की घटनाएँ हमें समझाती हैं कि क्या हमारे हित में है और क्या हमारे लिए नुकसानदायक है। इतिहास से हम ज्ञान व प्रेरणा प्राप्त कर भविष्य में आसानी से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इतिहास हमें सोच-समझकर आगे बढ़ने का संदेश देता है। कोई भी व्यक्ति अपने इतिहास को भुलाकर आगे नहीं बढ़ सकता है। इतिहास हमें सदैव विवेक से कार्य लेते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

प्र.4.

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

(1) कम – विशेषण

(2) i. वाह! स्वादिष्ट मिठाई है।
ii. राम के साथ अनुज भी आ रहा है। } **दो में से कोई एक**

(3)

क्र.	संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि प्रकार
i.	अंतश्चेतना	अंतः + चेतना	विसर्ग संधि
ii.	सज्जन	सत् + जन	व्यंजन संधि

} **दो में से कोई एक**

(4)

क्र.	सहायक क्रिया	मूल क्रिया
i.	पड़ी	पड़ना
ii.	गईं	जाना

} **दो में से कोई एक**

(5)

क्र.	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रियारूप	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप
i.	फैलना	फैलाना	फैलवाना
ii.	लिखना	लिखाना	लिखवाना

} **दो में से कोई एक**

Sample Content

(6)

i. शेखी बघारना - स्वयं अपनी प्रशंसा करना।
वाक्य: राजू हमेशा शेखी बघारता रहता है।

ii. निछावर करना – अर्पण करना।
वाक्य: सैनिक अपने प्राण भारतमाता पर निछावर कर देते हैं।

दो में से कोई एक

अथवा

सिरचन को बुलाओ, दुम हिलाते हुए हाजिर हो जाएगा।

(7)

i. ने - कर्ता कारक
ii. में - अधिकरण कारक

दो में से कोई एक

(8) मैंने कराहते हुए पूछा, "मैं कहाँ हूँ?"

(9)

i. सातों तारे मंद पड़ गए हैं।
ii. रूपा दौड़ते-दौड़ते व्याकुल हो रही थी।
iii. हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देंगे।

तीन में से कोई दो

(10)

i. मिश्र वाक्य
ii. 1. तुम अपना ख्याल रखो।
2. क्या मानू इतना ही बोल सकी?

दो में से कोई एक

(11)

i. इस बार मेरी सबसे छोटी बहन पहली बार ससुराल जा रही थी।
ii. आपने भ्रमण तो काफी किया है।
iii. व्यवस्थापकों व पूँजी लगाने वालों को हजारों-लाखों का मिलना गलत नहीं माना जाता।

तीन में से कोई दो

प्र. 5. (अ)

विभाग 5 – उपयोजित लेखन

(1)

१ अक्टूबर, २०२०
kishor@xyz.com

प्रिय किशोर,
हस्तमिलन।

मैं स्वस्थ व सकुशल हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी प्रसन्न व कुशल होंगे। दो दिन पूर्व ही आपका पत्र प्राप्त हुआ। यह जानकर गर्व से सीना फूल गया कि आपने दोहा प्रतियोगिता में प्रथम क्रमांक प्राप्त किया है। इस उपलब्धि से आपने न केवल अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है, बल्कि अपने परिवार व विद्यालय का भी नाम रोशन किया है।

मुझे आपका मित्र होने पर सचमुच बहुत गर्व है। मेरी इच्छा है कि आप इसी तरह सदैव प्रगति करते रहो। मेरी शुभकामनाएँ प्रतिपल आपके साथ हैं।

चाचा जी और चाची जी को मेरा प्रणाम और साक्षी को सस्नेह प्यार कहना।

आपका प्रिय मित्र,
राधेय

राधेय चौगुले,
रामेश्वर नगर,
वर्धा।
radhey@xyz.com

Sample Content

अथवा

४ अक्टूबर, २०२०

प्रति,
माननीय व्यवस्थापक जी,
कौस्तुभ पुस्तक भंडार,
सदर बाजार,
नागपुर।
kaustubhpustak@xyz.com

विषय: प्राप्त पुस्तकों के संबंध में।

महोदय,

आपके द्‌वारा भेजा हुआ पुस्तकों का पार्सल मुझे आज ही प्राप्त हुआ। आपको यह सूचित करते हुए मुझे खेद हो रहा है कि आपके द्‌वारा भेजी गई पुस्तकों में से कुछ पुस्तकें फटी हुई हैं और कुछ पुरानी हैं।

'चित्रलेखा' और 'रामचरितमानस' की किताबों का तो बुरा हाल है। 'निबंध पुष्पमाला' किताब का कवर फटा हुआ है और 'निबंध सुषमा' किताब के कई पन्ने गायब हैं, इसीलिए इन पुस्तकों को मैं आज ही पोस्ट-पार्सल से लौटा रहा हूँ। साथ में बिल की फोटो कॉपी भी भेज रहा हूँ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस विषय में आप स्वयं ध्यान देंगे और नई पुस्तकें भिजवाने की शीघ्र व्यवस्था करेंगे।
धन्यवाद।

भवदीय,
अशोक

अशोक मगदुम,
लक्ष्मीनगर,
नागपुर।
ashok@xyz.com

(2) 1. कौन हिंदी के माध्यम से विज्ञान जैसे गहन विषयों की शिक्षा दे रहे थे?
2. कहाँ राह निकलती है?
3. लंबे अरसे तक अंग्रेज किसे राष्ट्रीय आंदोलन का अभिन्न अंग मानते रहे?
4. स्वामी जी से मिलने देश के प्रमुख राष्ट्रीय नेता कहाँ आते रहते थे?

प्र. 5. (आ) **(1)**

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान
(कार्यालय-प्रतिनिधि द्‌वारा)

सोलापुर, २२ जनवरी, २०२० को विवेकानंद विद्‌यालय की ओर से बेटियों की सुरक्षा व शिक्षा के प्रति सभी को जागरूक करने के लिए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान का आयोजन किया गया था। सुबह नौ बजे विद्‌यालय के सभागृह में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हेतु उपस्थित महिमा कन्या विद्‌यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती उषा शर्मा जी का जोरदार तालियों से स्वागत किया गया। विद्‌यालय के प्रधानाचार्य राजपाल सिंह व अतिथि महोदया द्‌वारा दीप प्रज्वलन किया गया। उसके बाद विद्‌यार्थियों द्‌वारा माता सरस्वती की वंदना की गई।

Sample Content

प्रधानाचार्य ने अतिथि महोदय का संक्षिप्त परिचय दिया व एक पुस्तक भेंट में देकर उन्हें सम्मानित किया। उसके बाद अतिथि महोदया ने ५० प्रतिभाशाली व पढ़ाई में बुद्धिमान छात्राओं को छात्रवृत्ति देने की घोषणा की तथा सभी छात्राओं को उपहार में पुस्तकें बाँटी। फिर अतिथि महोदया ने सभी छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करके देश की उन्नति में सहयोग देने के लिए प्रेरित किया। उसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' इस घोषवाक्य पर आधारित एक सुंदर नाटक की प्रस्तुति की।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य जी ने अतिथि महोदया और सभी छात्राओं के प्रति आभार प्रकट करने के साथ ही दोपहर एक बजे इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया।

अथवा

एकता में शक्ति होती है

शीतपुर नामक एक गाँव था। गाँव के सभी लोग हमेशा अपने-अपने काम में व्यस्त रहते थे। गाँव में एक तालाब था, जो गर्मियों में सूख गया था। तालाब सूखने की वजह से लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिल पा रहा था। सभी गाँववासी दूर-दूर जाकर पानी की खोज करते और बाल्टी, मटके आदि में पीने का पानी भरकर लाते थे। रोज-रोज उतनी दूर से पानी भरकर लाने से वे इतने थक जाते थे कि उनके लिए कोई अन्य काम करना मुश्किल हो जाता था। पानी की इस समस्या से सभी लोग बहुत परेशान थे।

गाँव के लोगों ने इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए एक सभा का अयोजन किया। उसमें एक आदमी ने सभी से कहा, "यदि हमारे गाँव का तालाब सूखा नहीं होता, तो हमें पानी लाने दूर तक नहीं जाना पड़ता। अत: मेरे विचार से हमें गाँव के ही तालाब की सफाई करवानी चाहिए। बरसात का मौसम आने वाला है। यदि हम उससे पहले मिलकर तालाब की सफाई कर लेते हैं, तो बरसात का पानी स्वच्छ तालाब में एकत्रित हो जाएगा, उस पानी का उपयोग हम पीने के लिए कर सकते हैं।" उस आदमी की बात से सभी ने सहमत होकर तालाब की सफाई में श्रमदान करने का निर्णय लिया।

दूसरे दिन तय किए गए समय पर वह आदमी तालाब के पास सभी गाँववासियों का इंतजार कर रहा था। काफी समय तक इंतजार करने के बाद भी जब कोई नहीं आया तब वह आदमी समझ गया कि इस कार्य में गाँववाले उसकी कोई सहायता नहीं करेंगे। वह अकेले ही तालाब की सफाई के काम में जुट गया। आने-जाने वाले लोगों ने जब उस आदमी को अकेले ही तालाब की सफाई करते देखा, तो वे भी उसकी मदद के लिए तुरंत वहाँ पहुँच गए।

धीरे-धीरे एक-एक करके काफी लोग तालाब की सफाई में जुट गए। उन्हें देखकर सारा गाँव इस काम के लिए प्रेरित हुआ और इस कार्य में अपना श्रमदान देने के लिए तैयार हुआ। कुछ लोगों ने तालाब से कीचड़ निकालने का कार्य किया तो कुछ लोगों ने तालाब में एकत्रित प्लास्टिक व कूड़ा-कचरा निकालने का कार्य किया। देखते-ही-देखते पूरे गाँववालों के श्रमदान से कुछ ही दिनों में तालाब पूरी तरह साफ हो गया।

कुछ दिनों बाद बरसात का मौसम आया और झमाझम बरसात हुई। गाँव का तालाब स्वच्छ पानी से लबालब भरकर बहने लगा, जिसकी वजह से गाँव में पानी की समस्या का निदान हुआ। गाँववालों की एकता के कारण ही उन्हें इस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा मिल गया था।

सीख: मिल-जुलकर काम करने से किसी भी समस्या का हल आसानी से निकाला जा सकता है।

Sample Content

(2)

महात्मा हिंदी विद्यालय

चाहिए! चाहिए! चाहिए!

विद्यालय के लिए ड्राइवर चाहिए....

- केवल पुरुषों के लिए
- फोर व्हीलर ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य
- उम्र: 25 से 50 तक
- दसवीं/बारहवीं पास
- दो साल का अनुभव
- 15 हजार प्रति माह

इच्छुक व्यक्ति अपने सभी प्रमाण-पत्रों के साथ तुरंत संपर्क करें।

पता: महात्मा हिंदी विद्यालय, सरोजिनी मार्ग, पुणे।
मोबाइल नं: 2332422409
ई-मेल आईडी: mahatmahindiv@xyz.com

प्र. 5. (इ)

(1)

मेरा भारत देश

देश हमारा सबसे न्यारा, प्यारा हिंदुस्तान।
जाति अलग है, धर्म अलग है फिर भी एक है जान।

मेरा भारत देश एक सुंदर बगिया की भाँति है। इस बगिया में रंगबिरंगी फूलों की तरह अनेकों राज्य हैं। प्रत्येक राज्य की अपनी बोली, भाषा, वेशभूषा, त्योहार, रीति-रिवाज, परंपराएँ, खान-पान आदि हैं। प्रत्येक राज्य एक-दूसरे से अलग-अलग होने के बावजूद भी वहाँ में एकता की भावना है। मेरा देश एक लोकतांत्रिक देश है। जनसंख्या के मामले में मेरा देश विश्व में दूसरे स्थान पर है। मेरे देश में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी, बौद्ध आदि धर्मों के लोग रहते हैं। इन विभिन्न धर्मों के त्योहार, जैसे– होली, दीवाली, ईद, नाताल, पारसी नवरोज, नवरात्रि आदि भी भिन्न-भिन्न हैं, लेकिन इन सभी त्योहारों को पूरे देशवासी मिल-जुलकर बड़े ही प्रेम से पूरे देश में मनाते हैं। मेरे देश के लोग दक्षिण का इडली-डोसा, महाराष्ट्र की पुरणपोली और मिसल-पाव, गुजरात का ढोकला, पंजाब का सरसों का साग, बंगाल के रसगुल्ले तथा उत्तर-प्रदेश का पूरी-साग बड़े चाव से खाते हैं।

मेरा देश उत्तर में पर्वतों और नदियों से घिरा है तो दक्षिण में समुद्र तटों से; पश्चिम की ओर रेगिस्तान है तो पूरब में बंगाल की खाड़ी है। हिमालय से निकलने वाली नदियाँ मेरे देश के चरण पखारती हैं। बड़े-बड़े पहाड़ों व घने वृक्षों से आच्छादित वनों से देश में चारों तरफ हमेशा हरियाली रहती है। मेरे भारत देश को प्रकृति ने अपने आँचल में जगह दी है, इसीलिए वह भारत देश पर सतत अपना स्नेह लुटाती रहती है। मेरा देश एक कृषिप्रधान देश है। मेरे देश का किसान फसल उगाने के लिए खेतों में जी-तोड़ मेहनत करके खेतों में अनाज पैदा करता है और अपने देश के लोगों का पेट भरता है।

मेरे देश के बहादुर सैनिक दुश्मनों के दाँत खट्टे करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य कलाएँ पूरे देश में लोकप्रिय हैं, चाहे वह महाराष्ट्र की लावणी हो, पंजाब का भाँगड़ा या गुजरात का गरबा। पूरा भारत देश इन नृत्यों की तालों पर झूमता और थिरकता है। भले ही मेरे देश में कई राज्य हैं पर यहाँ सभी के लिए एक ही कानून है। किसी भी राष्ट्रीय आपदा के समय पूरा देश एकजुट होकर राहत कार्य में जुट जाता है। मेरे देश की विविधता में एकता के दर्शन होते हैं; मेरा देश प्राकृतिक संसाधनों से तृप्त है; मेरा भारत देश महान है।

अथवा

Sample Content

(2)

पर्यावरण संतुलन

हमारे आस-पास का वातावरण ही पर्यावरण कहलाता है। हवा, पानी, पेड़-पौधे, समुद्र, नदी, तालाब, झरने, पहाड़ आदि पर्यावरण के ही अभिन्न अंग हैं। ये पर्यावरण को संतुलित बनाने में सहायता करते हैं। पेड़-पौधों हमारे पर्यावरण से कार्बनडाइ ऑक्साइड लेकर ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जिससे पर्यावरण संतुलित रहता है। पेड़-पौधों का महत्त्व जानते हुए भी आज हमारे देश में कई पेड़-पौधों को काटा जा रहा है। समुद्रों को पाटकर घर बनाए जा रहे हैं। कारखानों, मीलों आदि का गंदा पानी नदियों, तालाबों, समुद्रों को दूषित कर रहा है। साथ ही इनका धुआँ वायु प्रदूषण को बढ़ा रहा है। इन सबका बुरा परिणाम सीधे पर्यावरण पर पड़ रहा है। धीरे-धीरे पर्यावरण असंतुलित हो रहा है। पर्यावरण संतुलित न होने से ऋतुचक्र में अनियमितता आ गई है। इसका सबसे बुरा प्रभाव जीवनदायिनी वर्षा ऋतु पर हुआ है। वर्षा नियमित न होने के कारण कभी अतिवृष्टि तो कभी अनावृष्टि जैसी स्थिति निर्मित होती है, जिसका घातक परिणाम हमें आए दिन देखने को मिलता है।

संतुलित पर्यावरण हमें एक सुरक्षा कवच प्रदान करता है और यदि वह सुरक्षाकवच क्षतिग्रस्त होगा तो हमारे ऊपर बुरा असर पड़ेगा, इसलिए उसकी रक्षा करने का दायित्व भी हमारा ही होता है। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हमें वनों की कटाई, फैक्टरियों से निकलने वाला धुआँ, प्रदूषण आदि की रोकथाम करनी चाहिए। साथ ही चारों तरफ स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। अतएव यह कहा जाए तो ज्यादा उपयुक्त होगा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना हमारा सामाजिक दायित्व है और प्रत्येक सामाजिक व्यक्ति के लिए यह अनिवार्य है।

इस संपूर्ण चराचर में आज जो कुछ भी है या तो पर्यावरण से लिया गया है या पर्यावरण का है। पर्यावरण और मानव परस्पर एक-दूसरे के पूरक हैं, लेकिन यह भी सत्य है कि मानव ने सदैव पर्यावरण से कुछ न कुछ लिया ही है, उसे देने के बारे में बहुत कम अर्थात न के बराबर ही सोचा है। पर्यावरण मानव के इसी स्वार्थ के कारण कभी-कभी रुष्ट होकर मानव का अहित कर देता है। हमारा देश जहाँ आज एक ओर दिन-प्रतिदिन प्रगति के कई सोपान चढ़ता जा रहा है, वहीं इस प्रगति पथ पर आगे बढ़ते हुए समस्याओं का जन्म भी हो रहा है। विज्ञान के चमत्कार से आज समाज का कोई भी व्यक्ति अछूता नहीं है। इसी विज्ञान के आविष्कारों ने आज पर्यावरण के लिए कई खतरे उत्पन्न कर दिए हैं। अत: हमारा सामाजिक दायित्व है कि हम अपने आस-पास के पर्यावरण की पूरी ईमानदारी से रक्षा करें।

पर्यावरण ने अपने हर रूप से मनुष्य को कुछ न कुछ लाभ ही दिया है। धरती पर उपलब्ध पर्यावरण के विभिन्न घटकों से ही मानव स्वयं का पोषण करता है। सूर्य की किरणें पृथ्वी पर जीवों में ऊर्जा का संचार करती हैं। बरसात अपनी अमृत रूपी बूँदों से जीवों का पोषण करती है। प्रकृति हमारे चारों ओर पर्यावरण के रूप में हमारे लिए एक सुरक्षा कवच का निर्माण करती है, लेकिन मानव विज्ञान और आधुनिकता की अंधी दौड़ में पर्यावरण का बड़ी तेजी से दोहन करता जा रहा है। पर्यावरण को किसी भी रूप में चोट पहुँचाने का अर्थ है कि मानव का अपने लिए खतरे को आमंत्रण देना। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना मनुष्य का परम कर्तव्य है, क्योंकि पर्यावरण के सानिध्य में ही मनुष्य के समस्त दुखों, समस्याओं, नीरसता, चिंता और निष्क्रियता का निवारण है।

पेड़ों की जब करोगे रक्षा।
तभी बनेगा जीवन अच्छा।

अथवा

(3)

पुस्तक की आत्मकथा

मैं ज्ञान का भंडार हूँ। जो मेरी शरण में आता है, उसे मैं ज्ञानी बना देती हूँ। मेरे दिखाए हुआ मार्ग पर चलकर ही इंसान विकास की सीढ़ियाँ चढ़ता चला जा रहा है। छोटा-बड़ा हर कोई मुझसे प्रेम करता है और मेरे सम्मान में अपना सिर झुकाता है। मैं इंसानों की साथी हूँ; उनकी हमसफर हूँ; उनकी मार्गदर्शक हूँ; मैं पुस्तक हूँ। मैं हर घर में रहती हूँ, लेकिन संगठित रूप में मेरा निवासस्थान पुस्तकालय ही है।

Sample Content

आदिकाल से ही मैं ज्ञान के स्रोत के रूप में जानी जाती हूँ। लोग मेरा अध्ययन कर स्वयं का ज्ञानवर्धन करते हैं। हर व्यक्ति के जीवन में मेरा एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। खासकर विद्यार्थियों व लेखकों के जीवन में मेरा प्रमुख स्थान है। वे किसी भी क्षण मुझे स्वयं से अलग नहीं करना चाहते हैं। एक गुरु की भाँति मैं हर पग पर उनका मार्गदर्शन करती रहती हूँ। ऐसा करके मुझे बहुत संतोष प्राप्त होता है, क्योंकि यही मेरे जीवन का उद्देश्य भी है।

आज मेरा जो रूप आपको दिखाई देता है, शुरुआती दिनों में ऐसा नहीं था। पहले कागज का आविष्कार नहीं हुआ था। अत: भोजपत्रों, बाँस की पतली पट्टियों आदि का प्रयोग किया जाता था। धीरे-धीरे विज्ञान की प्रगति ने मेरा रूप बदल दिया। आज पेड़ों से कागज का निर्माण किया जाता है और इसी से मुझे यह नया सुंदर रूप प्राप्त हुआ है। कविता, कहानी, नाटक, विज्ञान, इतिहास, भूगोल इत्यादि का सारा ज्ञान मुझमें ही समाहित है।

मेरा निर्माण बहुत परिश्रम से होता है। पहले पेड़ों की गुदा से कागज का निर्माण किया जाता है। इसके बाद कोई ज्ञानी व्यक्ति मेरे पन्नों पर ज्ञान की बातें अंकित करता है। बड़ी-बड़ी मशीनों के सहारे मेरी छापाई की जाती है। इससे मेरी जैसी अनेक प्रतियाँ बनकर तैयार हो जाती हैं। इसके बाद मैं दुकानों व पुस्तकालयों में पहुँचती हूँ, जहाँ से लोग अपनी-अपनी रुचि और जरूरत के अनुसार मेरा प्रयोग करते हैं।

मैंने देखा है कि कुछ बच्चे व पाठक मुझे बहुत सँभालकर रखते हैं, तो कुछ मेरे पन्नों को फाड़कर व गंदा करके मेरा रूप खराब कर देते हैं। ऐसे लापरवाह पाठकों पर मुझे बहुत गुस्सा आता है। मेरी उनसे यही गुजारिश है कि वे अपनी तरह मुझे भी साफ-सुथरी व सुरक्षित रखें, जिससे मैं और अधिक लोगों के काम आ सकूँ।

जबसे मेरा जन्म हुआ है, मानवजाति ने मुझे सिर आँखों पर बिठाया है। लोग मुझे सरस्वती माँ का रूप समझते हैं। मेरी पूजा-अर्चना करते हैं। मुझे यह सम्मान प्राप्त कर स्वयं पर बहुत गर्व होता है। आधुनिक युग में मेरा एक नया रूप जन्म ले रहा है। लोग अब मुझे अपनी अलमारियों में बंद करने लगे हैं और मेरे बदले कंप्यूटर, मोबाइल आदि पर उपलब्ध मेरे एक नए रूप का मोह लोगों में तेजी से बढ़ने लगा है। यह परिवर्तन मेरे लिए बहुत सुखद नहीं है, क्योंकि मुझे अपना वर्तमान रूप बहुत पसंद है। फिर भी मैं परिवर्तन का सम्मान करती हूँ। मेरा जन्म मानवसभ्यता को ज्ञान-विज्ञान की बुलंदियों तक पहुँचाने के लिए हुआ है और मैं ऐसा करके स्वयं को धन्य समझती हूँ। बस यही है मेरी छोटी-सी आत्मकथा।

Sample Content

SSC Champions Ki A–Z Tayyari Ke Liye

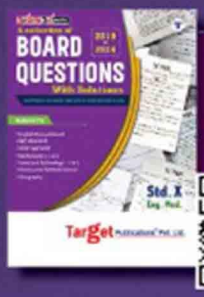

SAMPLE CHAPTER

A Collection of Board Questions with Solutions

Chapter-wise, topic-wise and year-wise SSC Board questions that will help you *crack the board code*

- All subjects
- Exam-oriented solutions

SSC 54 Question Papers and Activity Sheets with Solutions

Train for the D-Day with this kit of mock tests designed just like the SSC Board papers

- Practice papers
- Solved past papers
- Solutions

SAMPLE CHAPTER

SAMPLE CHAPTER

ProLingo Series (Grammar and Writing Skills)

Your best bet to lock 40 out of 80 marks in English, Hindi and Marathi

- Textbook and practice exercises
- Explanations
- Answers
- Past Board questions
- Examples

Important Question Bank (IQB)

Your superhero for stress-free last minute exam preparation

- Most important questions
- Exam-ready answers
- Solved previous board papers
- Time management tools

SAMPLE CHAPTER

Visit Our Website

Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning

Address:
B2, 9th Floor, Ashar, Road No. 16/Z,
Wagle Industrial Estate, Thane (W)- 400604

Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15
Website: www.targetpublications.org
Email: mail@targetpublications.org

VISIT OUR STORE

TARGET AMAZON STORE

TARGET FLIPKART STORE